707

1-11-17

बुधवार

❀ आत्मा ❀

"परमात्मा" विश्वचैतन्य शक्ती है। वह एक ही है। लोग उसे अलग² नाम से बुलाते है।

बाबास्वामी
1-11-17

708

2.11.17

गुरुवार

आत्मा

परमात्मा एक नैसर्गिक शक्ती है। उसे बुलाया या "पाया" नही जा सकता।

बाबास्वामी

2.11.17

709

3.11.17

शुक्रवार

❀ आत्मा ❀

"परमात्मा"
हम रिक्त होने पर
वह स्वंयम ही हमारे
भितर से "चैतन्य" के
रुप मे बहता है।

बाबास्वामी
3.11.17

710
5.11.17
शनिवार

आत्मा

हमारे हाथ मे 'रिक्त' होना है, हम वह छोडकर "परमात्मा" को पाने के लिये सब करते है।

बाबास्वामी
5.11.17

711

5.11.17

रविवार

आत्मा

रिकल खोनल उल्टी
करने पर "हवा" को
कहना नही पडता की
भीतर आ जा

बाबास्वामी
5.11.17

712

6.11.17

सोमवार

❀ आत्मा ❀

"परमात्मा" झरने जैसा है, वह सदैव बरसते ही रहता है, बस स्नान करने के लीये उसके निचे जाने की जरुरत है।

बाबास्वामी
6.11.17

713

7-11-17

मंगलवार

आत्मा

सद्‌गुरु आज का "परमात्मा" का झरना है।

बाबास्वामी
7-11-17

714

8.11.17

बुधवार

आत्मा

"सदगुरु" को केवल अनुभव (चैतन्य से) कीया जा सकता है।

बाबास्वामी
8/11/17

715

9.11.17

गुरुवार

❀ आत्मा ❀

सदगुरु के आसपास
एक परमात्मा के चैतन्य
का आभा मंडल होता
है, जो "आत्मा" को शान्ती
प्रदान करता है

बाबास्वामी
9.11.17

716

10.11.17

शुक्रवार

❀ आत्मा ❀

"सद्गुरु" का "आभामंडल" ही उसकी पहचान है। आज की मशीनो से भी वह दिखता है।

बाबास्वामी
10.11.17

717

11-10-17
शनीवार

❀ आत्मा ❀

आज के युग मे तो "आध्यात्मीकता" नाटक करना संभव ही नहीं क्योकी उसे भी जांचा जाता है।

बाबास्वामी
11-10-17

12-11-17

रविवार

आत्मा

आत्म निर्भर होने पर ही "आध्यात्मीकता" विकसीत होती है।

बाबा स्वामी
12.11.17

13.11.17

सोमवार

आत्मा

आध्यात्मीक "प्रगती" करना हो तो स्वावलंबी बनो

बाबा स्वामी
13.11.17

720

14.11.17

मंगलवार

❀ आत्मा ❀

"आत्मा" का प्रगती के लिये आत्मा के सानिध्य मे 30 मीनीट नियमीत रहो.।

बाबास्वामी
14.11.17

721

15.11.17

बुधवार

❀ आत्मा ❀

"आत्मा" ही हमारा गुरु होना है, उसके मार्गदर्शन मे चलो

बाबास्वामी
15.11.17

722

16.11.17

गुरुवार

आत्मा

शरीर आने वाली
प्रत्येक संकट की सुचना
सर्व प्रथम "आत्मा" को
ही होती है,

बाबा स्वामी
16.11.17

723

17-11-17

आत्मा

इस लीये "आत्मा" आपको प्रत्येक आने वाले संकट से बचा सकता है, बस आपके शरीर पर आपकी आत्मा का नियत्रंण हो।

बाबास्वामी
17.11.17.

18.11.17

शनिवार

❀ आत्मा ❀

"आत्मा" का सुरक्षा
कवच सदैव ओरा
(आभामंडल) के
रूप सदैव साथ
होता है।

बाबास्वामी
18.11.17

725

19.11.17

रविवार

❀ आत्मा ❀

हमारी छाया तो भी अंन्धेरे मे साथ छोड देती है, लेकीन "ओरा" २४ घंन्टे सभी जगह रहता है।

बाबास्वामी
19.11.17

726

20.11.17

सोमवार

आत्मा

अंन्धेरे मे "ओरा" तो और ही स्पष्ट दिखाई देता है।

बाबास्वामी
20/11/17

727

२१.११.17

मंगलवार

❀ आत्मा ❀

आज मानव की सबसे बड़ी समस्या "सुरक्षा" की है।

बाबा स्वामी
२१.११.17

728

22.11.17

बुधवार

❀ आत्मा ❀

आज समूचे विश्व में
मनुष्य अपने आप
को "असुरक्षीत" महसूस
करता है।

बाबास्वामी
22/11/17

729

23.11.17

गुरुवार

❀ आत्मा ❀

आज इस "असुरक्षा"
के भाव के कारण
कई व्यापार हो रहे
है।

बाबास्वामी
23.11.17

730

24.11.17

शुक्रवार

❀ आत्मा ❀

अपनी स्वंयम की "सुरक्षा" स्वंयम ही करे।

बाबास्वामी
24.11.17

731

25.11.17

शनिवार

🌼 आत्मा 🌼

अपना सुरक्षा आप स्वंयम ही करे। अपनी "सुरक्षा" के लीये स्वांवलंबी बने।

बाबास्वामी
25.11.17

732

26.11.17

रविवार

❀ आत्मा ❀

अपने आसपास ध्यान नियमीत करके एक "आभामंडल" का सुरक्षा कवच बनाये।

बाबास्वामी
26.11.17

27.11.17

सोमवार

❀ आत्मा ❀

आभामंडल से आप अपना "नीजी विश्व" बना सकते है, हो सकता है, वह 15 या 20 फीट का ही हो।

बाबास्वामी
27.11.17

28.11.17

मंगलवार

आत्मा

यह विश्व छोटा होगा
पर शान्त होगा।
कल्याणकारी होगा।
"सुरक्षित" होगा।

बालस्वामी
28.11.17

29.11.17

बुधवार

आत्मा

यह "निजी विश्व" को लेकर आप नर्क मे भी जाये तो भी आपके आसपास का विश्व स्वर्ग ही होगा,

बाबास्वामी
29.11.17

736

30.11.17

गुरुवार

🏵 आत्मा 🏵

कहने का अर्थ है, बुरा ध्यान और बुरा व्यक्ती भी आपके "विश्व" मे आयेगा तो वह अच्छा ही बन जायेगा,

बाबास्वामी
30/11/17